पाठ ५०

1. शैतान काहे यिशुके परीक्षामे लिअल ?
    - काहेकि शैतान यिशु पाप करेके चाहतरनी ।
2. शैतान काहे यिशु पाप करेके चाहतरनी ?
    - काहेकि शैतन यिशु हमनीके बचावेला ना चाहनी ।
3. का यिशु पथलके रोटीमे परिणत कर सकेला ?
    - हां ।
    - यिशु परमेश्वर बारन ।
    - यिशु सब काम करेके सकेला ।
4. यिशु शैतानके का बातचाहिं रोटीसे ज्यादा जरुरीरहे कहलन ?
    - यिशु शैतानके परमेश्वरके वचनमे विश्वास गरेला रोटीसे ज्यादा जरुरी ह कहलन ।
5. यद्यपि यिशु भुखइलेरनी त पर भि वहां काहे पथलके रोटीमे परिणत ना कइल ?
    - काहेकि पिता परमेश्वर वहांके अइसन करेके ना कहलन ।
    - यिशु शैतानके आज्ञा पालन करेके नइखे रहे ।
    - यिशु केवल परमेश्वरके आज्ञा पालन करेके परी ।
6. का शैतानके परमेश्वरके पुस्तकमे का लिखेला कहके थाहा रहे ?
    - हां ।
    - शैतानके परमेश्वरके पस्तकमे का लिखेला कहके थाहा रहे ।
7. लेकिन शैतान परमेश्वरके वचनसे कथी कइलक ?
    - शैतान परमेश्वरके वचनके बिगाडदेलक आ आदमीके जालमे फांसल ।

8. शैतान यिशुके संसारके सब राज्यके नियन्त्रण दिएलाके कइसन सम्भव रहे ?
    - काहेकि आदमी शैतानके बात मानगल शैतान आदम आ अउरो आदमीसबके मालिक बनगेल ।
    - काहेकि आदम शैतानके बात मानलक शैतान आदमके मालिक बनगेल सब आदमीके मालिक बनगेल आ सारा संसारके मालिक बनगेल ।
9. यिशु कइलन शैतानसे जालसे मुक्त भेइल ?
    - परमेश्वरके वचनद्वारा ।
10. का यिशु परमेश्वरके वचनके बिगाडल ?
    - ना ।
    - यिशु परमेश्वरके वचनमे जइसन लिखेला वइसने कहलन ।
11. कउन बडा रहे शैतान या यिशु ?
    - यिशु ।
12. यिशु कैसन शैतानसे बडा रहे ?
    - काहेकि यिशु परमेश्वर बारन ।
    - काहेकि यिशु हि आदिमे लुसिफरके सिद्ध रूपमे सृष्टि कइल ।

13. भविष्यमे यिशु शैतान आ ओकर सहयोगी सब के कथी करेवाला रहे ?
    - यिशु शैतान आ ओकर सहयोगी शैतानसबके अनन्त आगके दहमे फेंकदेवाला रहे ।

- एगो दिन दुष्ट राजा हेरोद बप्तिस्मा दिएवाला यहुन्नाके जेलमे जाकदेल ।

1. बप्तिस्मा दिएवाला युहन्ना जेलमे परेलाके बाद यिशु कथी कइलक ?

आवलजावो मर्कुस १:१४ पद पढलजाइ ।

युहन्नाके कइद कइलाके बाद यिशु गलीलमे आवलाके परमेश्वरके राजके सुसमाचार सुनाइलन ।

2. यिशु यहुदीसके शिक्षा दिएलाके कहियो सुरु कइलक ?
    - बप्तिस्मा दिएवाला युहन्ना जेल परेलाके बाद ।

3. येहुदीसबके शिक्षा दिएके सुरु करेलाके समयमे यिशु केतना वरके भेल ?
    - ३० वरषके ।
    - यिशु यहुदीसबके परमेश्वरके सुसमाचार सिखाइल ।

4. यिशु ओकुनीसबके सिखावेला सुसामाचार कथी रहे ?
    - यिशु ओकुनीसबके सुनावेला सुसमाचार यिहे रहे कि यद्यपि हमर पापके सजायके दण्ड मृत्यु ह त पर भि परमेश्वर हमनीके निमित्त उद्धारर्कता भेजलेबारन ।
5. परमेश्वर आदमीसबके उद्धारके निमित्त भेजेला उद्धारकर्ता कउन रहे ?
    - यिशु ।

6. यिशु अउरो कथी बात सिखाइलन ?

आवलजावो मर्कुस १:१५ पद पढलजाइ ।

अउर कहलन समय पुरा होगइल बा अउर परमेश्वरके राज निएरा आ गइल बा मन फिरावलो अउर सुसमाचारमे विश्वास करलो ।

7. यिशु समय आगेल आ परमेश्वरके राज्य करिब ह कहेलाके अर्थ कथी ह ?
    - यिशु उद्धारकर्ताके समय आएला आ परमेश्वरके राज्य शैतानके राज्यके जल्द हि परजित करेवाला रहे कहलन ।
    - यिशु आदमीसबके परमेश्वरके वचनमे विश्वास करेके परि भि कहलन ।

8. आदमी परमेश्वरके खुस पारलाके सिर्फ एगो तरिका कथी ह ?
    - परमेश्वरके वचनमे विश्वास कइके ।
    - जब यिशु यिहुदीसबके शिक्षा दिएके सुरु कइल त वहां ओकुनीसबके वहांके साथम रहो कहलन ।

आवलजावो मर्कुस १:१६-२० पद पढलजाइ ।

जब यिशु गलिलके झीलके किनारेसे हो के जात रहलन त सुमोन अउर उनकरा भाइ आन्द्रियासके झिमे जाल डालत देखलन । काहेकि ऊ लोग मछुवारा रहे अउर यिशु ऊ लोगसे कहलन हमरा पिछे आवलो हम तोहराके आदमियनके मछुवारा बनाइल । ऊ लोग वही घडी जालके छोडके उनकरा पिछे हो लिहले । अउर कुछ आगे बढके ऊ जबदीके बेटा याकुब अउर उनकर भाइ यहुन्नाके नाउमे जाके देखलन ऊ

वही व लोगके बोलइन । अउर ऊ लोग अपना बाप जबदीके मजदुरनके साथे नावके छोडके उनकरा पिछे चल गइललो ।

9. यिशु काहे आदमीसबके अपनसंगे रहो कहलन ?
   - काहेकि यिशु ओकुनीसबके सिखावेके चाहि ताकि ओकुनीसब अउरो आदमीसबके परमेश्वरके बारेमे सिखावेके सकिहन ।

10. यिशु अपने साथमे रहेके आग्रह करेवाला आदमीसबमे से कुछ व्यक्तिके काम कथी रहे ?
    - ओकुनीमेसे कउनो व्यक्ति माझी रहे ।
    - एगोदिन यिशु कफर्नहुम नाम करेवाला शहरमे शिक्षा दिएलाके गइलक ।

आवलजावो मर्कुस १:२१ पद पढलजाइ ।

अउर ऊ लोग कफर्नहुममे अइले अउर यिशु तुरुन्न सबाथके दिनमे सभाघरमे जा के उपदेश देबेलगलन ।

- जब यिशु कफर्नहुममे आइलक त वहां एगो सभाघरमे शिक्षा दिएलाके गइलक ।

11. सभाघर कथी ह ?
    - यहुदीसब भेला भइलके बाइबल पढेवाला जगा ।

12. यिशु दिएवाला शिक्षाके बारेमे बहुत यहुदिसबके राय कथी रहे ?

आवलजावो मर्कुस १:२२ पद पढलजाइ ।

अउर ऊ लोग उनकरा उपदेशसे चकित भइने काहेकि ऊ उनकरा लोगके शास्त्री जइसन ना बरु अधिकारीसे एसन उपदेश देअतरहने ।

13. काहे बहुतसब यहुदी यिशुके शिक्षा सुनके चकित भेगल ?
    - काहेकि यिशु ओकुनीसबबके बहुत शक्ति आ बुद्धिमे सिखावतरनी ।
14. व्यवस्थाके शिक्षाक सब कउन रहे ?
    - ओकुनीसब फरिसी रहे ।

15. फरिसीसब देवेवाला शिक्षासे यिशुके शिक्षा कइसन फरक रहे ?
    - काहेकि यिशु परमेश्वर बारन वइसन यिशु पिता परमेश्वरके जानतरनी ।
    - फरिसीसब पिता परमेश्वरके ना जानतरनी ।
    - काहेकि यिशु परमेश्वर बारन वइसने यिशु परमेश्वरके वचनमे विश्वास कइलक ।
    - फरिसीसब परमेश्वरके वचनमे विश्वास ना करतरनी ।
    - यिशु दिक्षा देवालाके समयमे एगो भूत लागेला आदमी कराइल ।

मर्कुस १:२३-२४ पद पढलजाइ ।

अउर वही घरी उनकरा सभाघरमे एगो आद्मी रहे जउनमे भुत रहे ऊ चिल्लाचिलाके कहल हे येशु नासरी हम तोहराके चिनेला अपन परमेश्वरके पवित्र जना बारन । का अपने हमनीके खतर करेके चाही ?

16. आदि समयमे ओकुनीसब शैतानके सहयोगी शैतान बनेलासे पहिल ओकुनीसब कउन रहे ?
    - आदिमे शैतानके सहयोगी शैतानसब असल स्वरगदुतसब रहे ओकुनीसबके परमेश्वर सृष्टि कइलक लेकिन ओकुनीसब शैतानके साथ देलक आ दुष्ट बनगेल ।
    - परमेश्वरमे विश्वास ना करेवाला आदमीसबसंगे ओकुनीसब रहेलाके निमन लागल ।
    - जउन आदमी अभिन चिच्याइल ऊसंगे एगो सहयोगी शैतान साथमे रहेला ।

17. का ऊ सहयोगी शैतानके शिक्षा दिएवाला आदमी यिशु ह कहके थाहा रहे ?
    - हां ।

18. का सहयोगी शैतानके यिशु परमेश्वर बारन कहेके थाहा बा ?
    - हां ।

19. का सहयोगी शैतानके यिशु सिद्ध पवित्र बारन आ सब पापसबके घृणा करेला कहके थाहा बा ?
    - हां ।
20. का सहयोगी शैतानके यिशु ओकुनीसबसे शक्तिशाली बारन कहके थाहा बा ?
    - हां ।
21. सहयोगी शैतानसब काहे यिशुसंगे डराउँछन् ?

- काहेकि ओकुनीसबके थाहा रहे कि यिशु ओकुनीसबके कउनो भि समयमे अनन्त आगके दहमे फेंकदेलेके सक्षम रहे ।
- सहयोगी शैतानके यिशु ऊकर उहीसमयमे अनन्त आगके दहमे फेकेके सकिहन कहके थाहा रहे ।

22. यिशु ऊ सहयोगी शैतानके कथी जवाफ देलक ?

आवलजावो मर्कुस १:२५-२६ पद पढलजाइ ।

यिशु ओकराके डांटके कहलन चुप रह अउर ओकरामेसे निकलजोउ तब भुत ओकराके मरोडके अउर बडा जोरसे चिल्लाके ओकरामेसे निकलगइल ।

- यिशु ओकराके चुप होवेके आदेश देलक आ आदमीसे बाहर निकलेलाके कहलक ।

23. का ऊ यिशुके कहेवाला बात मानगेल ?
    - हां ।
24. ऊ काहे यिशु कहेवाला बात मानगेल ?
    - काहेकि यिशु परमेश्वर बारन ।
    - काहेकि यिशु सहयोगी शैतानसब से बहुत शक्तिशाली बारन ।

25. यिशु ऊ आदमीके सहयोगी शैतानसे छुटकारा दिलावेला देखके अउरो आदमीस कथी विचार कैलक ?

आवलजावो मर्कुस १:२७-२८ पद पढलजाइ ।

य देखकर सब लोग अश्चरत करत अपनामे बात बात करे लगलेलु यि का बात ह । यि त कउनो नया उपदेश बा । यी त भुतोके भि अधिकारके साथ हुकुम देताड । अउर ऊ उनका हुकुम मान त डस । ए से उनका नाम तुरुन्त गलिलके अगलबगलके सब नगरमे हर जगा फइल गइल ।

- यिशु आदमीके शैतानसे बचावेलाके देखके ओकुनीसब चकित भेगेल ।
- शैतान यिशुके कहेवाला बात मानगेला देखके ओकुनीसब चकित भेगेल ।

26. ऊ सांझ का भेगेल ?

मर्कुस १:३२-३४ पद पढलजाइ ।

सांझके बेरा जब सुरज डुबगइल त लोगसब बेमरियनके अउर उननीके जउनामे भूत परतरहे उनकरा लगे लेअइलन । अउर नगरके सबलोग दुवारपर एकठ्ठा भइले । अउर यिशु ढेर लोगके जउन किसिम किसिमके बिमारीसे दुखी रहेलो निमन कइलन । अउर ढेर भुत प्रेतनके निकललन अउर प्रेतनके बोले ना दिहलन । काहेकि ऊ सब यिशुके चिनत रहलन स ।

- ऊ सांझ आदमीसब बिरामी भेगेला आ भूत लागेला आदमीके लिएके आइल आ यिशु ऊ सबके चङ्गा करदेल ।
- ऊ यिहे कारणसे भेइल कि यिशु परमेश्वर बारन ।

- ऊ यिहे कारणसे भइल कि यिशु सब बात थाहा रहे ।

27. यिशु काहे सब बिरामी आदमीके चङ्गा पारदेल ?
    - काहेकि यिशु ओकुनीसबके प्रेम कइल ।
    - काहेकि ओकुनीसब बिरामी रहे देखके यिशु दुखी भइगेल ।
    - आदिमे जब यिशु संसारके सृष्टि कइलक त संसारमे बिरामी ना भइल ।
    - लेकिन जब हब्वा आ आदम परमेश्वरके विरुद्धमे पाप कइल त पाप अउरो सब आदमीसबके बिमारी ल्याइल ।
    - पापके कारण संसारमे लियाएला बमारीके यिशु चङ्गा पारके चाही ।

28. भूत लागेवाला सब आदमीसबके यिशु काहे चङ्गा करेके चाही ?
    - काहेकि यिशु ओकुनीसबके प्रेम कइल ।
    - काहेकि भूतसब आदमीसबके दास बनावेला कहके यिशु दुखी भेल ।
    - आदिमे जब यिशु य संसारके सृष्टि कइल आदमिसब परमेश्वरके सन्तान रहे ।
    - लेकिन आदम आ हब्वा परमेश्वरके विरुद्धमे पाप कइल त सब आदमीसब शैतान आ ओकर सहयोगी के दास बनगेल ।
    - यिशु आदमीसबके शैतान आ ओकर सहयोगीसबके दासत्वसे मुक्त पारेलाके चाही ।
    - एगो दिन यिशुसे मिलने कुष्ट रोगी आइल ।

आवलजावो मर्कुस १:४० पद पढलजाइ ।

अउर एगो कोढी उनकरा लगे आके उनकरासे बिन्ति कइलस अउर उनकरा सामने घुटना टेकके कहलस यदि हमर चाहत हमराके ठीक करसकेतान ।

29. कोढी कथी ह ?

- कोढ शरीरके हात पैरके अङ्गुठा कुहेवाला रोग ह ।
- यिशुके स मयमे कोढके कउनो उपचार नइखे ।
- यदि अपनेके कुष्टरोग लाग त अपने निमित्त कउनो दवाइ नइखे ।
- अगर अपनेके कुष्टरोग रहे त अपनेके कउनो उपचार नइखे ।
- यदि अपनेके कुष्टरोग रहे त अपनेके कउनो सहयोग नइखे ।

30. का आदमी कुष्टरोगके उपचार करेके खुद सक्षम रहे ?

- ना ।
- वहां कउनो उपचार नइखे ।

31. ऊ आदमी यिशुकेहां काहे आइल ?

- काहेकि ओकराके यिशु सिर्फ ओकराके बचावेला कहके थाहा रहे ।

32. का यिशु ओकराके ठीक पारदेलक ?

आवलजावो मर्कुस १:४१-४२ पद पढलजाइ

यिशु ओकरापर दया करके हात बढावलन अउर हात छु के कहलन तु शुद्ध हो जा । अउर वही घडी ओकर कोढ निमन होगेल । अउर शुद्ध हो गइल ।

33. यिशु ऊ आदमीके छुएल आ कहलक कि शुद्ध भइजावो आ ऊ ठीक भेगेल ।
    - केवल यिशु जउन परमेश्वर रहे वहां ऊ आदमीके बचावेलाके सक्षम रहे ।

34. कोढ जइसन पाप कइसे वइसन ह ?
    - जइसन आदमी अपन खुदके कुष्टरोगसे बचावेके नइखे सकी वइसहे हमनी अपन आपके पापसे बचावके नइखे सकी ।
    - जइसन अउरो आदमी कुष्टरोग लागेवाला आदमीके बचावेके नइखेसकी वइसन अउरो कउनो आदमीके हमनीके पापसे बचावेके नइखे सकी ।
    - जयसन ऊ आदमीके कुष्टरोगसे यिशु सिर्फ बचावेके सकिहन वइसने यिशु सिर्फ हमनी पापके उपचार करेके सकिहन ।
    - यिशु यिस संसारमे हमनीके पापके उपचार करेलाके आइल ।
    - यिशु यिस संसारमे हमनीके मृत्युके उपचार करेलाके आइल ।
    - यिशु यिस संसारमे हमनीके शैतानके उपचार करेलाके आइल ।
    - अउरो कउनो भि हमनीके उपाचार करेलाके नइखे सकी केवल यिशु सिर्फ हमनीके उपचार करेलाके सकिहन ।